भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 3162
गुरुवार, 18 दिसम्बर, 2025/27 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

आज़मगढ़ विमानपत्तन का परिचालन

3162. श्री राजीव रायः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) आज़मगढ़ विमानपत्तन किस तारीख को पूर्ण रूप से निर्मित होकर परिचालन के लिए तैयार हो गया था;

(ख) उक्त विमानपत्तन के निर्माण पर हुए कुल व्यय का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उक्त विमानपत्तन के प्रारंभिक उद्घाटन के बाद सभी उड़ानें निलंबित कर दी गई हैं और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) सरकार को आज़मगढ़ विमानपत्तन के परिचालन में किन बाधाओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है; और

(ङ) सरकार का उक्त विमानपत्तन को शीघ्रातिशीघ्र शुरू करने के लिए इन बाधाओं और चुनौतियों को कब तक दूर किए जाने का विचार है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ङ) : आजमगढ़ हवाईअड्डा, उत्तर प्रदेश को आरसीएस-उड़ान (उड़े देश का आम नगरिक) योजना के तहत 29.57 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया गया था और दिनांक 15.12.2023 को इसे एआरसी-2बी श्रेणी के हवाईअड्डे के रूप में लाइसेंस प्रदान किया गया था। यह हवाईअड्डा केवल वीएफआर (दृश्य उड़ान नियम) परिचालन के लिए समर्थित है।

फ्लाइबिग ने दिनांक 11.03.2024 को आजमगढ़ और लखनऊ के बीच आरसीएस उड़ान परिचालन शुरू किया है। तत्पश्चात, एयरलाइन ने खराब दृश्यता की स्थिति के कारण सेवाओं को बंद कर दिया। इसके अतिरिक्त, लखनऊ हवाईअड्डे पर दिन के समय रनवे बंद करके चरणबद्ध रूप से पुनःसतहीकरण कार्य किया जा रहा था।

फ्लाईबिग ने आज़मगढ़-लखनऊ-आज़मगढ़ मार्ग के आरसीएस मार्गों के निरंतर परिचालन के लिए अपने आरसीएस अधिकार और दायित्वों को स्काईहॉप एविएशन प्राइवेट लिमिटेड को सौंप दिया है। स्काईहॉप वर्तमान में विनियामक और परिचालन आवश्यकताओं को पूरा कर रही है, जिसमें हवाई प्रचालक प्रमाणपत्र प्राप्त करना और विमान खरीदना शामिल है। अपेक्षित शर्तें पूरी होने के बाद आरसीएस उड़ानें शुरू होने की संभावना है।

*****